भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 418
उत्तर देने की तारीख 23 मार्च, 2020
सोमवार, 03 चैत्र, 1942 (शक)

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत परम्परागत जनजातीय कला और सांस्कृतिक कार्यक्रम

***418. श्री राजेन्द्र धेड्या गावितः**

क्या कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार प्रधनमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत महाराष्ट्र में कोई योजना कार्यान्वित कर रही है जो प्रशिक्षण कार्यक्रम में परम्परागत जनजातीय कला को सम्मिलित करता है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री
(□ॉ. महेंद्रनाथ पाण□ेय)

(क) तथा (ख) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

"प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत परम्परागत जनजातीय कला और सांस्कृतिक कार्यक्रम" के बारे में श्री राजेन्द्र धेड्या गावित द्वारा दिनांक 23.03.2020 को पूछे गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 418* के उत्तर के भाग (क) तथा (ख) में उल्लिखित विवरण।

(क) तथा (ख) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय महाराष्ट्र राज्य सहित देश में अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) तथा पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) घटक के अंतर्गत अल्पावधि कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) (2016-20) का कार्यान्वयन कर रहा है। पीएमकेवीवाई (2016-20) के अंतर्गत परंपरागत कला और शिल्पकला के विभिन्न जॉब रोलों सहित 38 अलग-अलग सेक्टरों में 1800 से अधिक जॉब रोलों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस स्कीम के अंतर्गत इन सेक्टरों में प्रशिक्षण प्रदान करके देश में परंपरागत कला और शिल्पकला को बढ़ावा देने के प्रावधान किए गए है। ऐसे प्रावधानों में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को राज्य विशिष्ट जॉब रोलों तथा स्थानीय परंपरागत कलाओं और शिल्पों के क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के उनके कुल आवंटित लक्ष्य का 25% तक आवंटन करने का लचीलापन देना शामिल है।

अब तक, पीएमकेवीवाई (2016-20) के अंतर्गत देश में विभिन्न परंपरागत जॉब रोलों में 73,667 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित/उन्मुख (एसटीटी के अंतर्गत 4,667 प्रशिक्षित तथा आरपीएल के अंतर्गत 69,000 उन्मुख) किया गया है। इन जॉब रोलों में कालीन बुनकर, नक्काशी कलाकार, बिडिंग शिल्प (कला), बांस चटाई बुनकर, ताराकशी जौहरी, साज-सज्जा पेंटर, रेखा चित्रकार और चित्रकार, फैशन आभूषण, क्रोशेट लेस ट्रेलर्स, कशीदाकार आदि शामिल हैं। इनमें से, हस्तशिल्प क्षेत्र के 'क्रोशेट लेस ट्रेलर्स' जॉब रोल के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में 1093 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

इसके अतिरिक्त, जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) स्कीम के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में वर्ली पेंटिंग में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

****